IJMRSETM

e-ISSN: 2395 - 7639

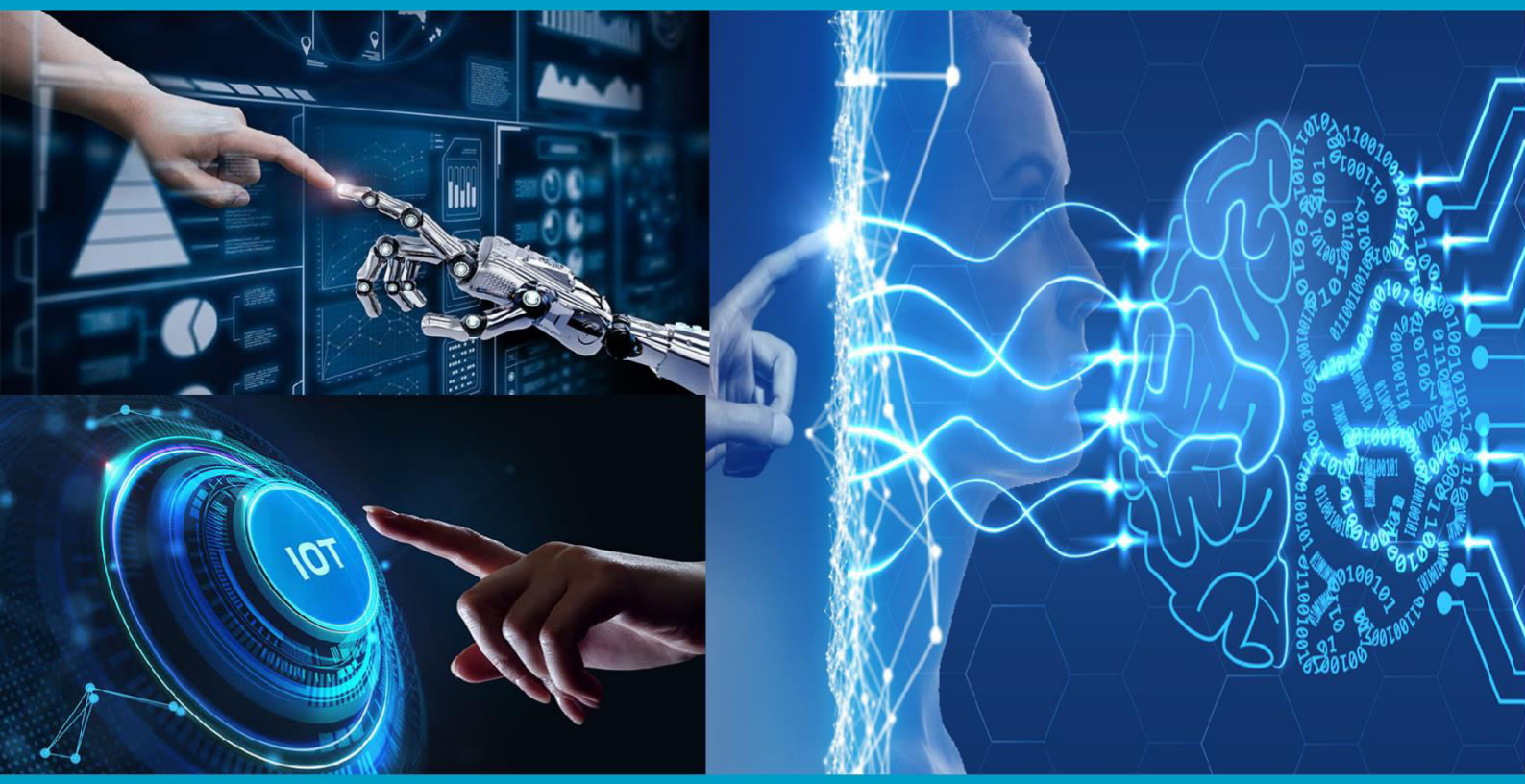

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH

IN SCIENCE, ENGINEERING, TECHNOLOGY AND MANAGEMENT

Volume 11, Issue 2, February 2024

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

Impact Factor: 7.580

+91 99405 72462 +9163819 07438 ijmrsetm@gmail.com www.ijmrsetm.com

| ISSN: 2395-7639 | www.ijmrsetm.com | Impact Factor: 7.580| A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

| Volume 11, Issue 2, February 2024 |

युवा वर्ग के सामाजिक -सांस्कृतिक मूल्य बदलाव की ओर-एक अध्ययन

नरेश कुमार जटिया

सह-आचार्य, समाजशास्त्र, स. ध. राजकीय महाविद्यालय, ब्यावर

सार

युवा प्रत्येक ऐसी सामाजिक बुराई के खिलाफ संघर्ष कर सकते हैं, जो किसी राष्ट्र को पतन की ओर ले जाती है और उसे वांछित गति के साथ प्रगति करने से रोकती है. अधिक से अधिक युवाओं के शिक्षित होने, और शिक्षा का इस्तेमाल राष्ट्र के बृहत्तर हित में होने की स्थिति में देश का विकास होता है और वह अधिक बेहतर बन जाता है.

परिचय

जैसे-जैसे युवा दुनिया के संकट के बारे में अधिक जागरूक होते जा रहे हैं, यह हमारे समाज के समग्र दृष्टिकोण में बदलाव की ओर अग्रसर हो रहा है। तेजी से, किशोर पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों और गतिविधियों को चुनकर जहाँ भी संभव हो पर्यावरण में बदलाव लाने के लिए सक्रिय हो रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप सामाजिक-पर्यावरणीय परिवर्तनों के साथ युवाओं की भागीदारी में तेजी से वृद्धि हुई है।

किशोर अब पहले से कहीं ज़्यादा मुखर हो गए हैं, महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बात रख रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं। यह कहना सुरक्षित है कि युवा पीढ़ी की शक्ति मानवता और प्रकृति के प्रति दृष्टिकोण में मौलिक परिवर्तन को बढ़ावा देने में मदद कर रही है। निष्कर्ष रूप में, यह स्पष्ट है कि किशोरों को सही दिशा देने से एक बड़ा सामाजिक प्रभाव जुड़ा हुआ है, जिनमें आज बदलाव लाने की क्षमता और दृष्टि दोनों हैं।

आज के युवाओं से आह्वान किया जा रहा है कि वे आगे आएं और दुनिया में बदलाव लाएं। चूंकि हमारा ग्रह अनिश्चित भविष्य का सामना कर रहा है, इसलिए अगली पीढ़ी के युवाओं के लिए हमारे ग्रह की पारिस्थितिकी को संरक्षित करने में अपनी भूमिका निभाना पहले से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण है।[1,2,3]

अब तक की सबसे ज़्यादा तकनीक-प्रेमी पीढ़ी के सदस्य के रूप में, किशोरों को पर्यावरण पर मानवीय गतिविधियों के नकारात्मक प्रभाव के बारे में तेज़ी से पता चल रहा है। पर्यावरण के अनुकूल कार चलाने से लेकर हरित पहल को बढ़ावा देने तक, इस आयु वर्ग के लोगों में यह भावना बढ़ रही है कि वे सकारात्मक सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभाव डाल सकते हैं।

युवाओं के उत्साह और ऊर्जा का उपयोग पूरे समाज में पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं के लिए प्रेरणा के रूप में किया जाना चाहिए। अपनी रचनात्मकता और आशावादी दृष्टिकोण के साथ, युवा लोग जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने और हमारे ग्रह को बढ़ते तापमान, पिघलते ग्लेशियरों और ग्लोबल वार्मिंग के अन्य खतरनाक परिणामों से बचाने में वास्तविक अंतर ला सकते हैं।

| ISSN: 2395-7639 | www.ijmrsetm.com | Impact Factor: 7.580| A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

| Volume 11, Issue 2, February 2024 |

आज की दुनिया में युवाओं का सामाजिक प्रभाव निर्विवाद है। किशोर और युवा वयस्क हमारे समाज में सबसे प्रभावशाली लोगों में से हैं और जब पर्यावरण के अनुकूल पहल और अन्य पर्यावरण से संबंधित मुद्दों की बात आती है तो वे सकारात्मक बदलाव लाने में प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं।

युवाओं में जागरूकता बढ़ाने, समाधान विकसित करने और दूसरों को उनके उपयोग के बारे में शिक्षित करके बदलाव लाने की अपार क्षमता है। वे संधारणीय आदतें बनाने और भावी पीढ़ियों को हमारे ग्रह को संरक्षित करने के मामले में जिम्मेदारी से काम करने के लिए प्रोत्साहित करने में भी सहायक हैं। इसके अलावा, पर्यावरणवाद को बढ़ावा देने के अपरंपरागत तरीकों के प्रति उनका उत्साह संभावित रूप से अभूतपूर्व प्रगति की ओर ले जा सकता है।

आज के समाज में युवाओं का सामाजिक प्रभाव एक महत्वपूर्ण कारक है जिस पर विचार किया जाना चाहिए। किशोरों और युवा वयस्कों के रूप में, हमारे पास अपने समुदायों और दुनिया में सकारात्मक बदलाव लाने की शक्ति है। हमारे निर्णय पर्यावरणीय स्थिरता से लेकर आर्थिक विकास तक कई क्षेत्रों में प्रभावशाली हो सकते हैं। हम पर्यावरण के अनुकूल पहल कर सकते हैं जो अपशिष्ट को कम करते हैं और ऊर्जा का संरक्षण करते हैं। हम अपनी आवाज़ का उपयोग उन कारणों की वकालत करने के लिए भी कर सकते हैं जो हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं, जैसे कि शिक्षा सुधार या जलवायु परिवर्तन कार्रवाई। अपने साथियों के साथ जुड़कर, हम उन मुद्दों के बारे में सार्थक संवाद बना सकते हैं जो हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं और समाधान की दिशा में मिलकर काम कर सकते हैं। अपने कार्यों के प्रति सचेत रहने और उनकी जिम्मेदारी लेने से, हम सामाजिक परिवर्तन के शक्तिशाली एजेंट बन सकते हैं।

युवाओं का सामाजिक प्रभाव एक महत्वपूर्ण मुद्दा है जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। किशोरों में हमारे पर्यावरण और समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने की बहुत क्षमता है। वे अपनी ऊर्जा, रचनात्मकता और उत्साह का उपयोग अपने आस-पास की दुनिया में सार्थक बदलाव लाने के लिए कर सकते हैं।

युवा रीसाइक्लिंग, कचरे को कम करने और हरित पहलों में भाग लेने जैसी गतिविधियों में शामिल होकर अधिक पर्यावरण-अनुकूल समुदाय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वे अपनी आवाज़ का उपयोग उन कारणों की वकालत करने के लिए भी कर सकते हैं जिनकी उन्हें परवाह है और महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता फैलाने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, किशोर अपने से कम भाग्यशाली लोगों की मदद करने के लिए अपना समय स्वेच्छा से दे सकते हैं या ऐसी गतिविधियों में भाग ले सकते हैं जो उनके पूरे समुदाय को लाभान्वित करेंगी।
[4,5,6]

कुल मिलाकर, युवाओं का सामाजिक प्रभाव बहुत बड़ा है और ऐसे अनेक तरीके हैं जिनसे वे वर्तमान में और भविष्य में भी प्रभावशाली हो सकते हैं।

आधुनिक समाज में युवाओं के रूप में, हमारे प्रभाव को समझना और यह समझना महत्वपूर्ण है कि हम कैसे प्रभावशाली हो सकते हैं। हम अपने मंचों और अपने जन्मजात गुणों का उपयोग परिवर्तन के एजेंट बनने के लिए कर सकते हैं। पर्यावरण और पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं पर शिक्षा के माध्यम से, किशोर अपने साथियों को अधिक टिकाऊ होने के अधिक तरीके प्रदान करके उनके लिए एक अंतर बना सकते हैं। हमारे पास आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर भविष्य बनाने की शक्ति है। हमें युवाओं को ऐसी गतिविधियों में शामिल होने के लिए भी प्रोत्साहित करना चाहिए जो व्यक्तियों के रूप में उनके विकास को आकार देने और उनके आसपास के अन्य लोगों को प्रेरित करने में मदद करें। इस तरह, युवा लोग नागरिक जुड़ाव और सामाजिक न्याय के मुद्दों के बारे में सीख सकते हैं और दुनिया में सकारात्मक बदलाव का हिस्सा बन सकते हैं।

| ISSN: 2395-7639 | www.ijmrsetm.com | Impact Factor: 7.580| A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

| Volume 11, Issue 2, February 2024 |

आज की दुनिया में, किशोर और युवा वयस्क समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं। वे अभिनव विचारों, तकनीकी प्रगति और भविष्य के लिए एक दृष्टि के साथ आते हैं। यह उचित ही है कि हम इस आयु वर्ग के सामाजिक वातावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को देखें।

युवा हमारे समाज को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे ही हैं जो किसी विशेष समुदाय के लिए क्या काम करता है और क्या काम नहीं कर सकता है, इस बारे में बहुत ज़रूरी जानकारी देते हैं। इस प्रकार, उनके विचार और शब्द साथियों, वयस्कों और यहां तक कि नीतिगत निर्णयों को भी प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए यह आकलन करना ज़रूरी हो जाता है कि वे अपशिष्ट उत्पादन या ऊर्जा खपत को कम करने जैसी कार्रवाई-उन्मुख पहलों के माध्यम से पर्यावरण के अनुकूल वातावरण बनाने में कैसे प्रभावी हो सकते हैं।

इस आयु वर्ग की जिम्मेदारी है कि वे अपने साथियों में जागरूकता पैदा करें, साथ ही पर्यावरण संरक्षण प्रथाओं के अनुरूप कदम उठाएं। वे इस जिम्मेदारी को कैसे निभाते हैं, इसका असर न केवल उन पर बल्कि आने वाली पीढ़ियों पर भी पड़ेगा।

आज के युवाओं में अपने पर्यावरण में बहुत बड़ा सकारात्मक बदलाव करने की शक्ति है। छोटे-छोटे संधारणीय जीवनशैली विकल्प अपनाकर, वे पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने और अपने साथियों के व्यवहार को बेहतर भविष्य के लिए आकार देने में प्रभावशाली प्रभाव डाल सकते हैं। सार्वजनिक परिवहन का विकल्प चुनना या बाइक से यात्रा करना जैसे पर्यावरण के अनुकूल पहल करना सरल लेकिन प्रभावी कार्य हो सकते हैं जो स्थायी प्रभाव छोड़ सकते हैं, जिससे इसमें शामिल सभी लोगों को लाभ होगा। आज के किशोरों की सामूहिक सामाजिक कार्रवाई इस तथ्य का प्रमाण है कि सामूहिक रूप से कार्य करके स्थायी, सार्थक परिवर्तन करना पूरी तरह से संभव है।
सामाजिक दिखावट की चिंता एक प्रकार की सामाजिक चिंता है जो शरीर की छवि की धारणा से जुड़ी होती है और सोशल मीडिया के उपयोग से बढ़ जाती है, जिससे अकेलेपन की भावनाएँ पैदा होती हैं। इस क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन का उद्देश्य ग्रीक किशोरों और युवा वयस्कों में सामाजिक दिखावट की चिंता, सोशल मीडिया के उपयोग और अकेलेपन की भावनाओं के बीच संबंधों की जाँच करना था। शोध के नमूने में 632 प्रतिभागी शामिल थे, जिनमें 439 महिलाएँ (69.5%) और 193 पुरुष (30.5%) शामिल थे, जिनकी आयु 18-35 वर्ष थी। सोशल अपीयरेंस एंग्जाइटी स्केल (SAAS), सोशल मीडिया डिसऑर्डर स्केल (SMDS), और UCLA लोनलीनेस स्केल इस्तेमाल किए गए उपकरण थे। डेटा संग्रह ऑनलाइन, Google[7,8,9] फ़ॉर्म के माध्यम से किया गया था। कई प्रतिगमन विश्लेषण किए गए और सामाजिक दिखावट की चिंता स्केल और UCLA लोनलीनेस स्केल स्कोर के बीच एक महत्वपूर्ण सकारात्मक सहसंबंध प्रदर्शित किया गया। अकेलेपन की भावना का अनुमान सामाजिक दिखावट की चिंता स्कोर ($p < 0.0001$) द्वारा लगाया गया था। दूसरी ओर, सोशल अपीयरेंस एंग्जाइटी स्केल और सोशल मीडिया डिसऑर्डर स्केल स्कोर (पी = 0.002) के बीच एक महत्वपूर्ण नकारात्मक सहसंबंध था, जो दर्शाता है कि सोशल मीडिया का उपयोग उपस्थिति की चिंता को बढ़ा सकता है और इसलिए, अकेलापन। निष्कर्ष बताते हैं कि कुछ युवा लोगों में उपस्थिति की चिंता, सोशल मीडिया के उपयोग और अकेलेपन की भावनाओं के बीच एक जटिल, शातिर प्रतिध्वनि चक्र हो सकता है।
विचार-विमर्श

हमारे युवा परिवर्तन के प्रतिनिधि हैं, शांति और सुरक्षा एजेंडे और व्यापक रूप से समाज में युवाओं का समावेश, शांति के निर्माण और उसे बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। हमारे देश के कार्यबल और आर्थिक विकास में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है क्योंकि वे किसी भी समय हमारे देश के कार्यबल का एक तिहाई हिस्सा होते हैं। परिवर्तन और संघर्ष के इन समयों में, युवाओं की संघर्षों को रोकने और हल करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका है और वे शांति स्थापना और शांति निर्माण दोनों प्रयासों की सफलता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण घटक हैं।

| ISSN: 2395-7639 | www.ijmrsetm.com | Impact Factor: 7.580| A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

| Volume 11, Issue 2, February 2024 |

संयुक्त राष्ट्र के युवा सामाजिक नीति एवं विकास प्रभाग की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर चुनौतियां स्पष्ट हैं: 200 मिलियन युवा प्रतिदिन 1 अमेरिकी डॉलर से कम पर जीवन यापन करते हैं, 130 मिलियन अशिक्षित हैं, 10 मिलियन एचआईवी से पीड़ित हैं, तथा 88 मिलियन युवा बेरोजगार हैं।"

दानकर्ता किस तरह अपना ध्यान केंद्रित कर सकते हैं, अपनी रणनीति चुन सकते हैं और युवा विकास के मुद्दों पर कार्रवाई कर सकते हैं? सुझाई गई इन कहानियों को देखें और एस्पेन इंस्टीट्यूट के अवसर युवाओं से लेकर आपके स्थानीय हाई स्कूल और सामुदायिक कॉलेज के कार्यक्रमों के बारे में जानने के लिए कुछ समय निकालें, जो युवाओं को उनके जीवन और हमारे समाज को बदलने के लिए सशक्त बनाने के लिए शिक्षा, नौकरी, किफायती आवास, नेटवर्किंग और बहुत कुछ तक पहुँच प्रदान करते हैं।

परिणाम

जिस समाज में हम रहते हैं, अपने सुख-दुख बांटते हैं; हमें उन समाज बंधुओं और संगठनों से जुड़कर रहना चाहिए। आधुनिक भागदौड़ भरी जीवनशैली में अगर हम राष्ट्रीय सामाजिक संगठनों से ना भी जुड़ पाएं तो कम से कम स्थानीय संगठनों से तो जुड़े रहना ही चाहिए। समाज-बंधुओं के साथ हम अपनी खुशियां बांटकर बढ़ा सकते हैं। आड़े समय में अगर हमारा परिवार पास ना भी रहे तो स्थानीय समाज बंधु-बांधव हमारे साथ परिवार-सम खड़े रहते हैं। आपसी संपर्क से हम अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं को हल कर सकते हैं।

अपने बच्चों के वैवाहिक रिश्तों को जोड़ने और आवश्यक जानकारी प्राप्त करने में सामाजिक संगठन बंधुगण हितकारी होते हैं। हमारा सामाजिक संपर्क हमारे व्यापार-व्यवसाय में भी काम आता है। कभी-कभी तो स्थानीय संगठनों की सिफारिशों से हमारे अटके काम भी झटके में पूरे हो जाते हैं। संगठन में शक्ति होती है; अगर किसी समाज-बंधु के साथ कोई अन्याय या दुर्व्यवहार हो तो पूरा समाज अन्याय के खिलाफ एकाकार[10,11,12] हो जाता है।

कहीं-कहीं पर सामाजिक संगठन में होनेवाली राजनीति और मतभेद के कारण नवपीढ़ी सामाजिक संगठनों की अपेक्षा दोस्तों पर अधिक भरोसा करने लगी है। नवपीढ़ी को समाज से जोड़ने और संगठनों पर भरोसा बढ़ाने की दिशा में अनुभवी कार्यकर्ताओं को विचार करना चाहिए।

नई पीढ़ी का सामाजिक संगठनों से जुड़ना संगठनों के लिए हितकारी होगा। नई सोच और नई विचारधारा के जुड़ने से सामाजिक सर्वांगीण विकास होगा। संगठन के अनुभवी कार्यकर्ताओं को निश्चिंत होकर युवावर्ग पर संगठन का कार्यभार सौंपना ही चाहिए। नए युवा कार्यकर्ता अब सामाजिक संगठनों की आवश्यकता भी हैं और मांग भी।

उचित ही नहीं आवश्यक है

अयोध्या चौधरी, अलीराजपुर

आज की युवा पीढ़ी का सामाजिक संगठनों से जुडना उचित ही नहीं अपितु आवश्यक है। युवा पीढ़ी को यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि व्यक्ति की पहचान समाज से ही है। आज की युवा पीढ़ी भटकाव के मोड़ पर है और हमारी जनसँख्या का ग्राफ ढलान पर है। चिंतन आवश्यक है। ऐसे में अपने सामाजिक अस्तित्व की धरोहर को सुरक्षित रखने के लिए सामाजिक संगठन से जुड़कर अपनी सामाजिक पहचान बरकरार रखना बहुत जरूरी है। सामाजिक संगठनों से जुड़कर ही हम समाज हित में कुछ कर सकते हैं।

| ISSN: 2395-7639 | www.ijmrsetm.com | Impact Factor: 7.580| A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

| Volume 11, Issue 2, February 2024 |

समयाभाव शायद युवा पीढ़ी की समस्या हो सकती है लेकिन जहां चाह वहां राह बन सकती है। अपनी काबिलियत अपने हुनर से हम समाज को लाभान्वित कर सकते हैं। संगठन से जुड़ना पद प्राप्ति का लक्ष्य नहीं होना चाहिए, संगठन से जुड़कर अपनी कार्य निष्ठा से अपनी पहचान स्वयं बनानी चाहिए।
संगठन से जुड़कर ही हम अपनी समाज सेवा की भावना को मूर्त रूप दे सकते हैं व समाज के महत्व और समाज की आवश्यकता को समझ सकते हैं। युवा पीढी यदि माह मे एक दिन भी सद्भाव से संगठन को समर्पित करें तो यह समय समर्पण धन समर्पण से कहीं ऊपर है।

समाज उन्नति में भी सहायक
कुसुम कुईया, ग्वालियर

हमारा अपने समाज बंधुओं से जुड़े रहना अति आवश्यक माना जाता है। हमेशा से मान्यता रही है हमारी पहचान भी समाज से जुड़े रहने पर बढ़ती है जो एक लंबे समय के लिए किए गए निवेश के समान है। लेकिन वर्तमान में सोच बदलती जा रही है।
आज की पढ़ी-लिखी युवा पीढ़ी की दुनिया सिर्फ अपने परिवार और कार्यक्षेत्र के इर्द-गिर्द घूमती रहती है। वे अपनी जीवनशैली में इतने उलझ गए हैं कि हमें अपने पड़ोसी के नाम काम की जानकारी भी नहीं होती है। सोशल मीडिया दोस्तों[13,14,15] की सूची में बढ़ोतरी होना ही हमारे लिए स्टेटस की बात होती है, पर अपने ही जबकि समाज के लोगों के साथ उठना बैठना कोई मायने नहीं रखता। उन्हें यह सब उन्नति में बाधक लगते हैं। समाज में जाना आना उचित ही रहता है।

युवा देश का भविष्य
नेहा बिनानी 'शिल्पी', मुंबई

किसी भी देश का भविष्य उसके युवा ही निश्चित करते हैं। उन पर ही निर्भर करता है कि वो समाज, देश की धरोहर, संस्कृति को कितना सम्मान देते हैं, उसकी सुरक्षा करते हैं और उसे आगे बढ़ाते है। किंतु वर्तमान भौतिक वादी युग में युवाओं में भौतिक सुख-सुविधाओं को अधिकाधिक पाने की ललक है, ना अपने समाज, न संस्कृति की।
युवाओं की शक्ति और उनके जोश से सदैव किसी कार्य में आगे बढ़ने में बहुत सहायता होती है फिर चाहे वो आजादी की लड़ाई हो या, संस्कारों को जीवित रखने की। इसलिए बहुत अनिवार्य है कि युवा वर्ग समाज की बागडोर संभाले एवं उसे उचित दिशा में उन्नति की ओर लेकर जाए।

शत प्रतिशत उचित युवाओं का जुड़ना
सुहाग देवपूरा, अहमदाबाद

| ISSN: 2395-7639 | www.ijmrsetm.com | Impact Factor: 7.580| A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

| Volume 11, Issue 2, February 2024 |

युवा पीढ़ी यानि कि हमारे नौजवान हमारे समाज का महत्वपूर्ण अंग है। हमारे समाज का भविष्य हमारी युवा पीढ़ी की सोच, व्यवहार व प्रदर्शन पर निर्भर करता है। युवा पीढ़ी में जोश, उमंग की कोई कमी नहीं होती है। वह हमेशा कामयाबी के शिखर तक पहुंचना चाहती है। अपने जुनून व काबिलियत, योग्यता से जिम्मेदारियों को वहन करके एक सुस्वरूप व सकारात्मक समाज की रचना कर सकते हैं।
विकास की नींव रख सकते हैं। आज युवा पीढ़ी का सामाजिक संगठनों से जुड़ना 100% सही है। युवा सामाजिक संगठनों से जुड़कर समाज को नई राह दिखाकर सुसंस्कृत सम्मान को स्थापित कर सकता है। युवा पीढ़ी, वृद्धावस्था व आने वाली पीढ़ी के बीच सेतु की कड़ी है।
वह हमारे सामाजिक रीति रिवाज़ों, मूल्यों' संस्कृति, पहचान की संवाहक है। हमारा समाज एक सुदृढ़, सुसभ्य, सुसंस्कृत एवं श्रेष्ठ समाज के रूप में स्थापित है। अतः इसकी पहचान को बनाये रखने व आगे ले जाने के लिये युवा पीढ़ी को सामाजिक संगठनों से जुड़कर समय के साथ लय बनाकर अपना योगदान प्रदान कर अपने सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करना चाहिए।

निष्कर्ष

सामाजिक बहिष्कार का असर न केवल सीधे प्रभावित लोगों पर पड़ता है, बल्कि समाज पर भी व्यापक रूप से पड़ता है, और अनुमान है कि कल्याण सहायता, आय की हानि और कराधान में प्रति वर्ष अरबों पाउंड का खर्च आता है। यह लेख सामाजिक बहिष्कार और 16 से 24 वर्ष की आयु के युवाओं के मुद्दे पर केंद्रित है। यह पता लगाता है कि सामाजिक बहिष्कार क्यों महत्वपूर्ण है, कितने युवा प्रभावित हैं, योगदान देने वाले जोखिम क्या हैं और प्रभावित लोगों को विभिन्न जोखिम समूहों के बीच कैसे वितरित किया जाता है।[16,17,18]

सामाजिक बहिष्कार समस्याओं के संयोजन का वर्णन करता है। लेविटास एट अल. (2007) सामाजिक बहिष्कार को एक जटिल और बहुआयामी प्रक्रिया के रूप में परिभाषित करते हैं जो लोगों के जीवन के तीन मुख्य आयामों में नुकसान का कारण बन सकती है: भौतिक और संबंधपरक संसाधन, भागीदारी और जीवन की गुणवत्ता। ये अक्सर जुड़े होते हैं और किसी एक आयाम में बहिष्कार का अनुभव दूसरे को मजबूत कर सकता है, जिससे कई नुकसान हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, व्यक्तियों को बिना योग्यता या कम योग्यता, बेरोजगारी, गरीबी, परिवार टूटना, खराब आवास, खराब स्वास्थ्य और अपराध सहित कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

16 से 24 वर्ष के बीच के युवा वयस्कता में प्रवेश करने के दौरान कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इस आयु वर्ग के लिए सबसे बड़ा परिवर्तन स्कूल से काम या उच्च शिक्षा में प्रवेश करना होगा। हालाँकि, इंग्लैंड में युवाओं का एक हिस्सा ऐसे परिवर्तन करने में विफल रहता है और रोजगार, शिक्षा या प्रशिक्षण (NEET) में नहीं पहुँच पाता है। यह युवा लोगों के बीच सामाजिक बहिष्कार का एक सामान्य रूप है।

युवा लोगों पर NEET के प्रभावों को अच्छी तरह से प्रलेखित किया गया है। यह युवा लोगों की भलाई और भविष्य के परिणामों पर हानिकारक प्रभाव डाल सकता है। शोध से पता चलता है कि NEET श्रेणी के युवा लोगों में अक्सर जीवन पर नियंत्रण की भावना कम होती है और वे जीवन से असंतुष्ट भी होते हैं। यह विशेष रूप से युवा महिलाओं के लिए है (बायनर और पार्सन्स, 2002 देखें)। भविष्य के परिणामों के संदर्भ में, रोजगार, शिक्षा या प्रशिक्षण में गैर-भागीदारी से बेरोजगारी, खराब स्वास्थ्य, कम उम्र में पालन-पोषण, शराब और मादक द्रव्यों के सेवन का दुरुपयोग और आपराधिक गतिविधि में शामिल होने सहित कई अल्पकालिक और दीर्घकालिक नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं (कोल्स एट अल., 2002)। इसके अतिरिक्त, किसी के शुरुआती जीवन में NEET का अनुभव उसके जीवन भर के रोजगार की संभावनाओं को कम कर सकता है। उदाहरण के लिए, शोध में पाया गया कि कम या बिना योग्यता वाले युवा लोगों में 18 वर्ष की आयु में

| ISSN: 2395-7639 | www.ijmrsetm.com | Impact Factor: 7.580| A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

| Volume 11, Issue 2, February 2024 |

बेरोजगारी बाद के जीवन में कम कमाई से जुड़ी थी (ibid)। इसके अलावा, प्रभावी हस्तक्षेप के बिना सामाजिक बहिष्कार का अनुभव एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में जा सकता है (ibid)।

युवा लोगों पर पड़ने वाले प्रभाव के अलावा, NEET समाज के लिए भी एक बड़ी लागत का प्रतिनिधित्व कर सकता है। इन लागतों में शामिल हैं: कल्याण लागत और अर्थव्यवस्था और सार्वजनिक वित्त में वित्तीय योगदान में कमी। गॉडफ्रे एट अल. (2002) NEET के परिणामों से निपटने के लिए खर्च किए गए अतिरिक्त सार्वजनिक वित्त के £8.1 बिलियन का रूढ़िवादी अनुमान प्रदान करते हैं। वर्तमान संदर्भ में, यह आंकड़ा मुद्रास्फीति और आर्थिक मंदी के दौरान NEET समूह के आकार में वृद्धि के कारण काफी अधिक होने की संभावना है।

2009 की अंतिम तिमाही के दौरान 16-24 वर्ष की आयु के लगभग 895,000 युवा एनईईटी थे, जो 16-24 वर्ष की आयु के सभी युवाओं का 14.8 प्रतिशत है (बच्चों, स्कूलों और परिवारों के लिए विभाग [डीसीएसएफ], 2010)। यह 2008 की इसी तिमाही की तुलना में 4.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जो 854,000 थी (डीसीएसएफ, 2010)। एनईईटी समूह में मुख्य रूप से शामिल हैं: देखभाल छोड़ने वाले; बेघर युवा; भागे हुए युवा, स्कूल से बाहर रहने वाले युवा या स्कूल से बाहर किए गए युवा; कॉलेज छोड़ने वाले; विशेष शिक्षा की आवश्यकता वाले या विकलांग युवा; या मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और/या ड्रग्स/शराब के दुरुपयोग से पीड़ित; किशोर माता-पिता; देखभाल करने वाले; और युवा अपराधी (कोल्स एट अल., 2002)। सोशल एक्सक्लूजन टास्क फोर्स (2009) द्वारा प्रकाशित एक हालिया अध्ययन ने जीवन के प्रमुख चरणों में लोगों और परिवारों के बीच सामाजिक बहिष्कार के जोखिमों का पता लगाया। यॉर्क विश्वविद्यालय (क्यूसवर्थ एट अल., 2009) द्वारा किए गए अध्ययन का एक हिस्सा युवाओं और युवा वयस्कता पर केंद्रित था और परिवार संसाधन सर्वेक्षण (एफआरएस) और ब्रिटिश हाउसहोल्ड पैनल सर्वेक्षण (बीएचपीएस) से मौजूदा डेटासेट का द्वितीयक विश्लेषण किया। चूंकि दोनों ही घरेलू सर्वेक्षण हैं, इसलिए घरों में नहीं रहने वाले लोगों को बाहर रखा गया। इस प्रकार, कुछ जोखिम समूह जैसे कि युवा लोग जिनकी 'देखभाल' की जाती है, बेघर हैं, या जो अपराधी हैं, उन्हें डेटासेट में शामिल नहीं किया गया है।

जैसा कि पहले बताया गया है, सामाजिक बहिष्कार बहुआयामी है। तालिका 1 में युवा लोगों के सामाजिक बहिष्कार की ओर ले जाने वाले विभिन्न प्रकार के जोखिमों का सामना करने के आंकड़ों के उदाहरण दिए गए हैं। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि सामाजिक बहिष्कार युवा लोगों के एक बड़े हिस्से को प्रभावित करता है।[19,20]

Table 1: The prevalence of social exclusion among 16-24 year olds, examples of indicators

Indicators of economic and social resources	Percentage (BHPS 2005-2006)
Relative low income	17.8
Not an owner occupier	33.2
Living in household without adequate heating	3.9
Not talking to neighbours/meet people on most days	22.5
Indictors of participation	
Workless household	10.5
No qualification	2.3
No internet access	29.0
Indicators of quality of life	
Poor health over the last 12 months	4.0
Smokes >5 cigarettes a day	21.3
House suffering from 2/+ problems	23.8

Source: Figures are extracted from Cusworth et al., 2009, p.11.

विश्लेषण के परिणाम बताते हैं कि युवा महिलाओं को आम तौर पर युवा पुरुषों की तुलना में जोखिम का उच्च स्तर का अनुभव होता है। अकेले माता-पिता के साथ रहने वाले या अपने बच्चों के साथ स्वतंत्र रूप से रहने

| ISSN: 2395-7639 | www.ijmrsetm.com | Impact Factor: 7.580| A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

| Volume 11, Issue 2, February 2024 |

वाले युवा भी अधिक जोखिम में थे और अन्य युवाओं की तुलना में कम शैक्षिक योग्यता रखने और NEET समूह में होने की संभावना भी अधिक थी। इसके अलावा, इन तीन विशेषताओं वाले युवा भी कई जोखिमों के प्रति अधिक प्रवण थे, जैसे कि वृद्ध युवा लोग, और वे जो सामाजिक और निजी किरायेदार थे, उच्च स्तर के अभाव वाले क्षेत्रों में रहते थे या शहरी क्षेत्रों में रहते थे (गांवों में रहने वालों की तुलना में)।

हालांकि बीएचपीएस डेटा के विश्लेषण से 2001/2002 और 2005/2006 की अवधि के बीच एकल जोखिम में कोई विशेष प्रवृत्ति नहीं मिली, लेकिन परिणाम दर्शाते हैं कि सात या उससे अधिक जोखिम का अनुभव करने वालों का अनुपात इस अवधि में लगभग 21 प्रतिशत से घटकर 16 प्रतिशत से भी कम रह गया। अध्ययन की पूरी पाँच साल की अवधि में जिन युवाओं के लिए नुकसान का जोखिम बना रहा, उनमें वे लोग शामिल थे जो ऐसे घरों में रहते थे जिनके पास घर का स्वामित्व, इंटरनेट कनेक्शन, कोई भी रोजगार नहीं था; वे खुद एक दिन में पाँच से अधिक सिगरेट पीते थे; या उनके पास कोई योग्यता या प्रशिक्षण नहीं था।

यह जांचने के लिए कि समय के साथ सामाजिक बहिष्कार का अनुभव कैसे बदलता है, अध्ययन ने विभिन्न आयामों में सामाजिक बहिष्कार को चिह्नित करने के लिए पहचाने गए 15 संकेतकों पर जोखिम में रहने वालों के अनुपात के आधार पर वंचितता के विभिन्न समूहों: 'निम्न', 'मध्यम' और 'उच्च' के बीच युवा लोगों की आवाजाही का विश्लेषण किया। 'अत्यधिक वंचित' समूह में सभी संकेतकों या एक संकेतक को छोड़कर सभी पर गरीब युवा लोग शामिल थे, जबकि 'कम वंचित' समूह में किसी भी संकेतक पर गरीब उत्तरदाताओं का अनुपात सबसे कम था। अध्ययन में पाया गया कि अधिकांश प्रभावित 'मध्यम वंचित' समूह में थे। औसतन वे 1.4 साल तक वहां रहे। 'उच्च वंचित' समूह के लोग औसतन 1.2 साल की सबसे कम अवधि के लिए वहां रहे, जबकि 'कम वंचित' समूह के लोग 1.5 साल की सबसे लंबी औसत अवधि के लिए वहां रहे। इसके अतिरिक्त, जिन युवाओं ने असुविधाओं का अनुभव किया, उनमें से जो दो माता-पिता के साथ रहते थे, उनकी परिस्थितियों में सुधार होने की संभावना, अर्थात् 'मध्यम' से 'कम असुविधा' वाले समूह में जाने की संभावना, उन लोगों की तुलना में लगभग दोगुनी थी, जो अपने माता-पिता से स्वतंत्र रूप से रहते थे।

शोध में किशोरावस्था के अनुभव और युवावस्था में असुविधा के बीच संबंधों का भी संकेत दिया गया है। बीएचपीएस के अनुदैर्ध्य विश्लेषण के परिणामों से पता चला है कि 11 से 15 वर्ष की आयु के बीच आय सहायता प्राप्त करने वाले घरों में रहने वाले युवा लोगों में 20 से 24 वर्ष की आयु में असुविधा की संभावना अधिक थी। इस खोज ने गरीबी के अंतर-पीढ़ी चक्र की परिकल्पना का समर्थन किया। इसके अलावा, अध्ययन में यह भी पाया गया कि किशोरावस्था के दौरान किशोर लड़कों और लड़कियों के लिए उच्च आत्म-सम्मान बाद में असुविधा को रोकने में मदद कर सकता है।
संक्षेप में, सामाजिक बहिष्कार इंग्लैंड में युवा लोगों के एक बड़े हिस्से को प्रभावित करता है और इससे समाज के साथ-साथ प्रभावित लोगों के जीवन की गुणवत्ता पर भी महत्वपूर्ण लागत आती है। शोध सामाजिक बहिष्कार के अंतर-पीढ़ी चक्र की स्पष्ट प्रवृत्ति को दर्शाता है और यह इंगित करता है कि सामाजिक बहिष्कार युवा लोगों के लिए नुकसान का कारण और परिणाम दोनों हो सकता है। उस चक्र को तोड़ने के लिए, परिवारों के लिए सरकारी सहायता की आवश्यकता है, विशेष रूप से बच्चों के साथ स्वतंत्र रूप से रहने वाले युवा परिवारों और अकेले माता-पिता वाले परिवारों के लिए।[20]

संदर्भ

1. "युवा" । मैकमिलन डिक्शनरी । मैकमिलन पब्लिशर्स लिमिटेड। 2013-8-15 को पुनःप्राप्त.
2. ^ "युवा" । मेरिएम वेबस्टर । 6 नवंबर 2012 को लिया गया .
3. ^ "युवा" । डिक्शनरी.कॉम । 6 नवंबर 2012 को लिया गया .

| ISSN: 2395-7639 | www.ijmrsetm.com | Impact Factor: 7.580| A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

| Volume 11, Issue 2, February 2024 |

4. ^ ऊपर जायें:[ए बी सी] फर्लांग, एंडी (2013)। युवा अध्ययन: एक परिचय। यूएसए: रूटलेज। पृ. 2-3. आईएसबीएन 978-0-415-56476-2.
5. ^ राजनीतिक गतिविधियों में युवाओं की भागीदारी: भक्कर, पंजाब पाकिस्तान में भागीदारी की कला, सामाजिक पर्यावरण में मानव व्यवहार का जर्नल, 30:6, 760-777, https://doi.org/10.1080/10911359.2020.1745112
6. ^ कोनोपका, गिसेला। (1973) "किशोर युवाओं के स्वस्थ विकास के लिए आवश्यकताएँ" , किशोरावस्था । 8 (31), पृ. 24.
7. ^ "युवा शब्दकोश परिभाषा - युवा परिभाषित" ।
8. ^ वेबस्टर्स न्यू वर्ल्ड डिक्शनरी।
9. ^ अल्शूलर, डी.; स्ट्रैंग्लर, जी.; बर्कले, के.; बर्टन, एल. (2009); "वयस्कता की ओर संक्रमण में युवाओं का समर्थन: बाल कल्याण और किशोर न्याय से सीखे गए सबक" 16 सितंबर 2012 को वेबैक मशीन पर संग्रहीत किया गया । किशोर न्याय सुधार केंद्र।
10. ^ फर्लांग, एंडी (2013)। युवा अध्ययन: एक परिचय । यूएसए: रूटलेज। पृ. 3-4. आईएसबीएन 978-0-415-56476-2.
11. ^ रूस में युवा , 12 जून 2021 को एक्सेस किया गया
12. ^ रूस में युवाओं की उम्र बढ़ाकर 40 करना
13. ^ फर्लांग, एंडी (2011)। युवा अध्ययन: एक परिचय । न्यूयॉर्क: रूटलेज. आईएसबीएन 978-0415564793.
14. ^ टायस्का, वप्पू (2005)। "युवाओं की संकल्पना और सिद्धांतीकरण: वैश्विक परिप्रेक्ष्य" । समकालीन युवा अनुसंधान: स्थानीय अभिव्यक्तियाँ और वैश्विक संबंध । लंदन: एशगेट बुक्स. पी। 3. आईएसबीएन 0-7546-4161-9.
15. ^ "पुष्टि का दिन, केप टाउन विश्वविद्यालय, दक्षिण अफ्रीका। 6 जून, 1966" संग्रहीत 27 फरवरी, 2011, वेबैक मशीन पर , रॉबर्ट एफ कैनेडी मेमोरियल। 11/9/07 को पुनःप्राप्त.
16. ^ थॉमस, ए. (2003) "किशोरों का मनोविज्ञान", बच्चों और किशोरों में स्व-अवधारणा, वजन के मुद्दे और शारीरिक छवि , पी। 88.
17. ^ विंग, जॉन, जूनियर "युवा।" विंडसर रिव्यू: ए जर्नल ऑफ़ द आर्ट्स 45.1 (2012): 9+। अकादमिक वनफ़ाइल। वेब. 24 अक्टूबर 2012।
18. ^ सऊद, मुहम्मद; इडा, रचमाह; मशूद, मुस्तैन (2020)। "लोकतांत्रिक प्रथाएं और राजनीतिक भागीदारी में युवा: एक डॉक्टरेट अध्ययन" । किशोरावस्था और युवा का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल । 25 (1): 800-808. डीओआई : 10.1080/02673843.2020.1746676 ।
19. ^ "नाइजीरिया 2009 राष्ट्रीय युवा नीति" (पीडीएफ) ।
20. ^ ऊपर जायें:[ए बी] डल्सगार्ड, ऐनी लाइन हेन्सन, करेन ट्रैनबर्ग। वैश्वीकरण पर नज़र रखने में "वैश्विक दक्षिण में युवा और शहर"। ब्लूमिंगटन: इंडियाना यूनिवर्सिटी प्रेस। 2008: 9

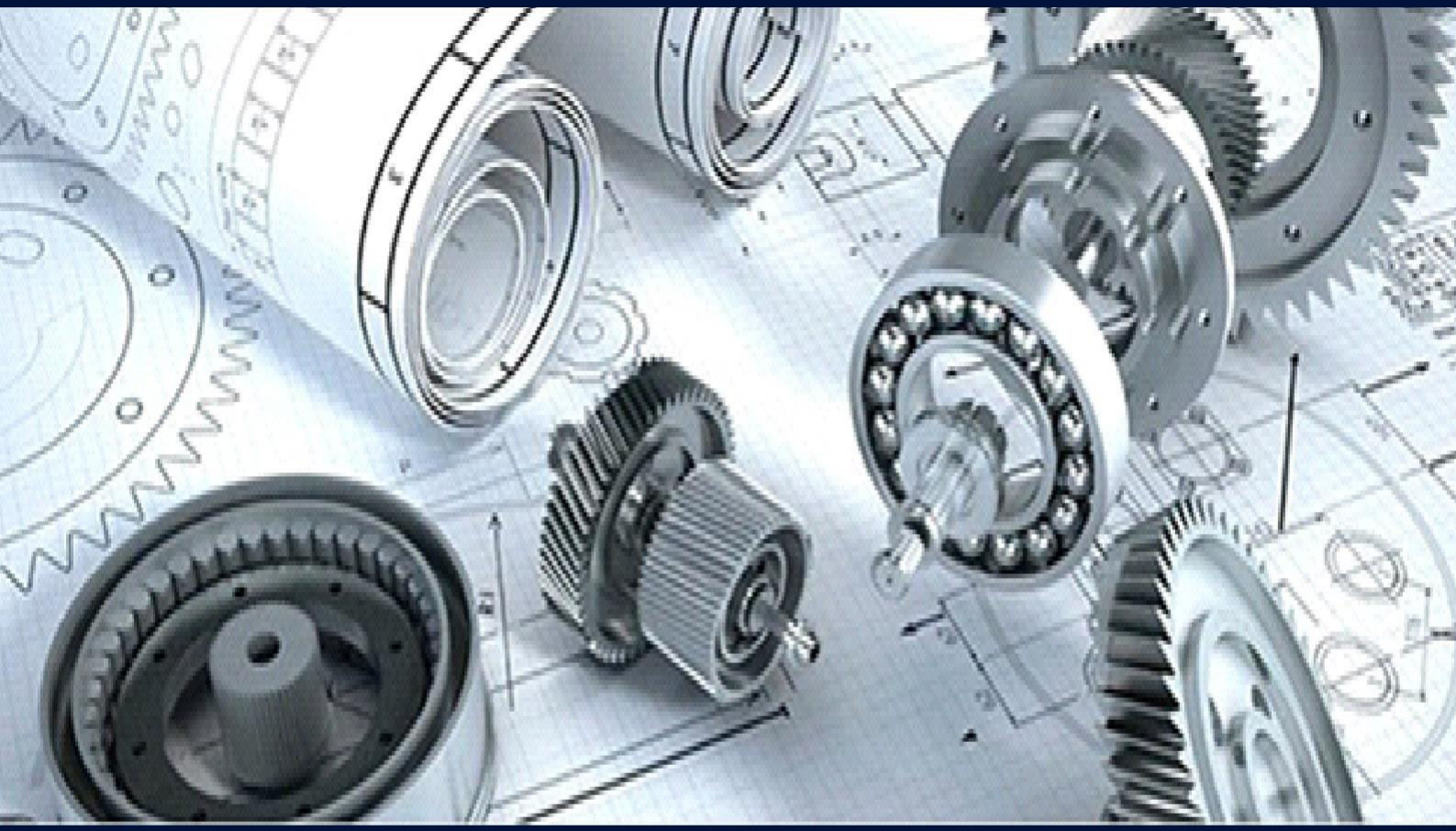

INNO SPACE
SJIF Scientific Journal Impact Factor

ISSN
INTERNATIONAL
STANDARD
SERIAL
NUMBER
INDIA

निस्केयर
NISCAIR

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH

IN SCIENCE, ENGINEERING, TECHNOLOGY AND MANAGEMENT

+91 99405 72462 +91 63819 07438 ijmrsetm@gmail.com

www.ijmrsetm.com